DOV / CIR NO. 11 / 10.01.2021

संत पापा फ्रांसिस द्वारा घोषित XVI सामान्य धर्म सभा के संबंध में
वाराणसी के धर्माचार्य यूजिन जोसेफ का परिपत्र

प्रभु येसु ख्रीस्त में मेरे प्रिय भाइयो और बहनो,

माता कलीसिया की परंपरा का पालन करते हुए संत पापा फ्रांसिस ने यह घोषणा की है कि विश्व भर की कलीसिया की XVI सामान्य धर्म-सभा का आयोजन अक्टूबर 2023 में रोम में संपन्न होगा । यह धर्मसभा, जिसे अंग्रेजी में सिनड (SYNOD) कहते हैं, उपयुक्त समय पर कलीसिया के जीवन और मिशन के लिए प्रार्थना करने, उस पर गहरे रूप से मनन-चिंतन कर उसके भविष्य के लिए, विचार विमर्श द्वारा, उपयोगी परामर्श प्राप्त करने के लिए संत पापा द्वारा आहूत की जाती है।

वर्तमान धर्म-सभा का शीर्षक है: कलीसिया में एकात्मता, सहभागिता और मिशन ।

वेटिकन महासभा की स्वर्ण जयंती वर्ष के अवसर पर, सन 2015 में पापा फ्रांसिस ने यह इच्छा व्यक्त की थी कि इस धर्मसभा की पूरी प्रक्रिया में संपूर्ण कलीसिया – विश्वासीगण, धर्मसंघी, पुरोहितगण, धर्माचार्यगण और संत पापा - की सहभागिता उचित और अनिवार्य है । आपसी साझेदारी को इस प्रक्रिया का आधार मानकर, ईश-प्रजा को चाहिए कि वे सभी आपस में एक होकर, एक दूसरे के अनुभवों और विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए इच्छुक रहें, और मिलकर प्रथम प्रेरिताई समुदाय की भांति पवित्र आत्मा को - जो सत्य का आत्मा है, सुनने के लिए तैयार रहें । (EG.171) इस तरह कलीसिया, जो एक यात्री प्रजा है, धर्मसभा की संपूर्ण अवधि को एक पवित्र तीर्थ की तरह मान कर और अपना कर, पूरे लगन के साथ प्रार्थना, मनन-चिंतन, विचार-विमर्श आदि में सहभागी बनकर अपने खीस्तीय जीवन को सुदृढ़ बनाने की दिशा में अग्रसर होती है । यही सच्ची कलीसिया है और यही प्रेरिताई कलीसिया है, जिसमें बप्तिस्मा प्राप्त कर चुके हर एक व्यक्ति पवित्र आत्मा से प्रेरणा और शक्ति पाकर, अपने प्रेरितिक कर्तव्य का सहर्ष निर्वहन करने का प्रयास करता/करती है । (EG. 120).

2023 अक्टूबर में संपन्न होने वाली धर्मसभा का शुभारंभ 9-10 अक्टूबर 2021 को रोम के वेटिकन नगर में संत पापा द्वारा किया जाएगा और उनके निर्देशानुसार, हर धर्मप्रांत के महा

गिरजाघर में 17 अक्टूबर 2021 को समारोही पवित्र मिस्सा के साथ धर्म प्रांतीय स्तर पर इसका प्रारंभ किया जाएगा । अत: इस धर्मसभा की यह प्रक्रिया सारी कलीसिया के लिए 2 वर्षीय तीर्थ-यात्रा होगी । इसके तीन चरण होंगे ।

१. धर्मप्रान्तीय स्तर पर चिंतन-मंथन और आपसी साझेदारी ।
२. राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधि धर्माचार्यगण एवं विशिष्ट प्रतिनिधियों की बैठक और कार्य-योजना ।
३. रोम में संत पापा के साथ धर्मसभा और संत पापा द्वारा पूरी प्रक्रिया के निष्कर्षों के संबंध में प्रेरिताई प्रबोधन ।

2 वर्षीय यह तीर्थ यात्रा सारी कलीसिया के लिए कृपा, प्रेरणा और पवित्रता प्राप्त करने का एक सार्थक साधन है । हम पिता ईश्वर को इस महान अवसर के लिए धन्यवाद देते हैं । यह अवसर सभी खीस्तीय विश्वासियों में एकता एवं सहभागिता के मनोभाव को पुनर्निर्माण कर उन्हें अपने प्रेरितिक कर्तव्य के निर्वहन में सुदृढ़ होने का अवसर बने ।

मैं आप सभी भाई-बहनों से विनम्र निवेदन करता हूं कि आप इस धर्मसभा की प्रक्रिया की सफलता के लिए हर दिन विशेष प्रार्थना करें । धर्मप्रांतीय और अपने पल्ली के स्तर पर जो भी कार्यक्रम होगा, उस में अपना सहयोग दें । इस धर्मसभा के फलस्वरुप, कलीसिया के सभी भाई-बहन, पवित्र आत्मा की प्रेरणा से ईश्वर के संदेश को सुनने और आपस में एक दूसरे को सुनाने की कृपा प्राप्त करेंगे ।

मां मरियम जो हमारी सर्वश्रेष्ठ आदर्श हैं; ईश्वर से हमारे लिए मध्यस्थता करें, और सर्वशक्तिमान ईश्वर, पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा आप सब को आशीर्वाद प्रदान करें । आमेन ।

+यूजिन जोसेफ
वाराणसी धर्मप्रान्त
(1 अक्टूबर 2021(बालक येसु की संत तेरेसा का पर्व)